नवीन पाठ्यक्रम

Name : ....

Roll No. : ....

कुल प्रश्नों की संख्या : **14**] [कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : **7**

O-212010–B

विषय : हिन्दी

समय : **3 घण्टे**] [पूर्णांक : **80**

निर्देश : (*i*) **सभी** प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

(*ii*) प्रश्न-पत्र के प्रश्नों को तीन खण्डों—'क', 'ख' और 'ग' में विभक्त किया गया है।

(*iii*) खण्ड-'क' में 2 प्रश्न हैं, जिसमें 16 अंक निर्धारित हैं।

(*iv*) खण्ड-'ख' में 5 प्रश्न हैं, जिसके 4 प्रश्नों में विकल्प दिए गए हैं। इस खण्ड में कुल 20 अंक निर्धारित हैं।

(*v*) खण्ड-'ग' के आरोह भाग में 32 अंक निर्धारित हैं।

(*vi*) खण्ड-'ग' के वितान भाग में 12 अंक निर्धारित हैं।

https://www.cgboardonline.com

खण्ड-'क'

प्रश्न-1 अधोलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

आज हमें विनम्रता की भावना की आवश्यकता है। हमें यह रुख त्याग देना चाहिए कि हम ठीक हैं और हमारे विरोधी गलत हैं या यह कि हम जानते हैं कि हम पूर्ण नहीं हैं परन्तु निश्चित रूप से अपने शत्रुओं से अच्छे हैं। वर्षों से सामूहिक वध देखते-देखते हम निष्ठुर हो गए हैं और भयानकताओं को देख-देखकर कठोर हो गए हैं। बहुत उन्नत राष्ट्रों में बड़ी मात्रा में बर्बरता है और बहुत पिछड़ी हुई जातियों में भी सभ्यता का काफी बड़ा अंश है। एक जमाने में सभ्यताएँ बाहर से बर्बरों द्वारा नष्ट कर दी गई थीं, मगर हमारे समय में इस बात की संभावना है कि वे अंदर से उन बर्बरों द्वारा नष्ट कर दी जाएंगी जिन्हें हम पैदा कर रहे हैं। प्रौद्योगिकीय क्रांति के समतुल्य एक नैतिक क्रांति करनी पड़ेगी। हमें नूतन मानवीय सम्बन्धों का विकास करना ही पड़ेगा और राष्ट्रों की बौद्धिक संघटना तथा नैतिक ऐक्य को प्रोत्साहित करना ही होगा। सरकारों को भी एक हृदय, एक अंत:करण, एक भावना—कि हम सब जाति और वर्ग के बंधनों से परे एक ही बिरादरी के सदस्य हैं—का विकास करना चाहिए।

यदि विश्व निष्ठा की भावना बढ़ानी है, तो हमें जीवन की दूसरी परम्पराओं से गुण ग्रहण की वृत्ति पैदा करनी होगी। यह देश बहुत दिनों से अनेक संस्कृतियों—आर्य, द्रविड़, हिंदू, बौद्ध, यहूदी, पारसी, मुसलमानी और खिष्टीय का मिलन स्थल है। आज जब संसार सिकुड़ता जा रहा है, तो सभी जाति एवं संस्कृतियों के इतिहास हमारे अध्ययन के विषय बनने चाहिए। यदि हम एक-दूसरे को ज्यादा अच्छी तरह जानना चाहते हैं, तो हमें अपने अलगाव की वृत्ति और बड़प्पन की भावना छोड़ देनी चाहिए और मान लेनी चाहिए कि दूसरी संस्कृतियों के दृष्टिकोण भी उतने ही उचित हैं और उनका प्रभाव भी उतना ही शक्तिमान है, जितना हमारा है। मानव जाति के इतिहास के इस संकटकाल में हमें मानवीय प्रकृति को पुन: नूतन ढंग पर गठित करने की आवश्यकता है। इस सम्बन्ध में प्राच्य-पाश्चात्य अवबोध के लिए 'यूनेस्को' जो मूल्यवान कार्य कर रहा है, उसकी हम प्रशंसा करते हैं।

(*i*) वर्तमान समय में लोग अधिक निष्ठुर और कठोर क्यों हो गए हैं ?

(*ii*) नैतिक ऐक्य किस प्रकार स्थापित किए जा सकते हैं ?

https://www.cgboardonline.com

(*iii*) सरकारों को क्या प्रयास करना चाहिए ? [2]

(*iv*) हमारा देश किन संस्कृतियों का मिलन स्थल है ? [2]

(*v*) यूनेस्को कौन-सा मूल्यवान कार्य कर रहा है ? [2]

(*vi*) गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। [1]

(*vii*) मूल शब्द और प्रत्यय पृथक् कीजिए : [1]

बर्बरता, मानवीय

प्रश्न-2 अधोलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

क्या रोकेंगे प्रलय मेघ ये, क्या विद्युत-घन के नर्तन,
मुझे न साथी रोक सकेंगे, सागर के गर्जन-तर्जन।
मैं अविराम पथिक अलबेला रुके न मेरे कभी चरण,
शूलों के बदले फूलों का किया न मैंने मित्र चयन।
मैं विपदाओं में मुसकाता नव आशा के दीप लिए,
फिर मुझको क्या रोक सकेंगे जीवन के उत्थान पतन।
मैं अटका कब विचलित मैं, सतत डगर मेरी संबल,
रोक सकी पगले कब मुझको यह युग की प्राचीर निबल।
आँधी हो, ओले-वर्षा हो, राह सुपरिचित है मेरी,

फिर मुझको क्या डरा सकेंगे ये जग के खंडन-मंडन।
मुझे डरा पाए कब अंधड़, ज्वालामुखियों के कँपन,
मुझे पथिक कब रोक सकें, अग्नि शिखाओं के नर्तन।
मैं बढ़ता अविराम निरंतर तन-मन में उन्माद लिए,
फिर मुझको क्या डरा सकेंगे, ये बादल विद्युत नर्तन।

(*i*) कवि ने किसकी प्रकृति का वर्णन किया है और कैसे ? [1]

(*ii*) पथिक की क्या विशेषता है ? [1]

(*iii*) प्रलय मेघ, विद्युत घन, अंधड़, ज्वालामुखी किसके प्रतीक हैं ? [1]

(*iv*) युग के प्राचीर से कवि का क्या तात्पर्य है ? [1]

https://www.cgboardonline.com

खण्ड-'ख'

प्रश्न-3 निम्नलिखित में से किसी **एक** पर लगभग *200* शब्दों में निबंध लिखिए : [1+3+1=5]

(*अ*) जहाँ चाह वहाँ राह

(*ब*) वैश्विक महामारी : कोरोना वायरस

(*स*) 'ऑनलाइन शिक्षा' : वर्तमान परिप्रेक्ष्य में

(*द*) पर्यावरण-प्रदूषण

प्रश्न-4 अपने प्राचार्य को एक पत्र लिखिए, जिसमें आपके सहपाठी अशोक चौधरी द्वारा लॉकडाउन की अवधि में प्रशंसनीय कार्य के लिए उन्हें सम्मानित करने का अनुरोध किया गया हो।

अथवा

डाक वितरण की अनियमितता के कारण आपको जो हानि हुई उसके सम्बन्ध में अधीक्षक, डाकतार विभाग को एक शिकायती पत्र लिखिए।

प्रश्न-5 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : [1+1+1+1=4]

(*अ*) सम्पादन का क्या तात्पर्य है ?

(*ब*) वॉचडॉग पत्रकारिता क्या है ?

(*स*) स्वतंत्र (फ्रीलांसर) पत्रकार कौन होते हैं ?

(*द*) समाचार क्या है ?

प्रश्न-6 "नाटक की कहानी बेशक भूतकाल या भविष्य काल से संबद्ध हो तब भी उसे वर्तमान काल में घटित होना पड़ता है।" इस धारणा के पीछे के कारणों में से किन्हीं तीन कारणों को लिखिए। [1+1+1=3]

अथवा

पिता और पुत्र को ध्यान में रखते हुए तीन-तीन संवाद लिखिए।

https://www.cgboardonline.com

प्रश्न-7 'आवश्यक सुविधाओं से वंचित गाँव' विषय पर एक आलेख लिखिए। [3]

अथवा

उल्टा पिरामिड शैली क्या होती है ? स्पष्ट कीजिए।

खण्ड-'ग'

प्रश्न-8 निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए : [2+2+2=6]

कविता एक उड़ान है चिड़िया के बहाने
कविता की उड़ान भला चिड़िया क्या जाने
बाहर भीतर
इस घर, उस घर
कविता के पंख लगा उड़ने के माने
चिड़िया क्या जाने ?

(*क*) कविता की उड़ान कौन नहीं समझ पाता है ?

(*ख*) कविता के पंख लगाकर कौन उड़ता है ?

(*ग*) कविता और चिड़िया में क्या असमानता है ?

प्रश्न-9 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : [2+2=4]

बहुत काली सिल ज़रा से लाल केसर से
कि जैसे धुल गई हो
स्लेट पर या लाल खड़िया चाक
मल दी हो किसी ने

(*क*) उक्त पंक्तियों में निहित काव्य-सौन्दर्य को स्पष्ट कीजिए।

(*ख*) उक्त काव्यांश के शब्द-चित्र पर टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न-10 (*क*) "पेट की आग का शमन ईश्वर (राम) भक्ति का मेघ ही कर सकता है।" तुलसी का यह काव्य-सत्य क्या इस समय का भी युग-सत्य है ? तर्कसंगत उत्तर लिखिए। [3]

(*ख*) अतिशय मोह भी क्या त्रास का कारक है ? माँ का दूध छूटने का कष्ट जैसे एक ज़रूरी कष्ट है, वैसे ही कुछ और ज़रूरी कष्टों की सूची बनाकर लिखिए। [3]

https://www.cgboardonline.com

प्रश्न-11 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : [2+2+2=6]

"रात्रि की विभीषिका को सिर्फ़ पहलवान की ढोलक ललकार कर चुनौती देती रहती थी। पहलवान संध्या से सुबह तक, चाहे जिस ख्याल से ढोलक बजाता हो, किन्तु गाँव के अर्द्धमृत, औषधि-उपचार-पथ्यविहीन प्राणियों में वह संजीवनी शक्ति ही भरती थी। बूढ़े-बच्चे-जवानों की शक्तिहीन आँखों के आगे दंगल का दृश्य नाचने लगता था। स्पंदन-शक्ति-शून्य स्नायुओं में भी बिजली दौड़ जाती थी। अवश्य ही ढोलक की आवाज़ में न तो बुखार हटाने का कोई गुण था और न महामारी की सर्वनाश शक्ति को रोकने की शक्ति ही, पर इसमें संदेह नहीं कि मरते हुए प्राणियों को आँख मूँदते समय कोई तकलीफ़ नहीं होती थी, मृत्यु से वे डरते नहीं थे।"

(क) गद्यांश में रात्रि की किस विभीषिका की चर्चा की गई है ? ढोलक उसको किस प्रकार की चुनौती देती थी ? लिखिए। https://www.cgboardonline.com

(ख) किस प्रकार के व्यक्तियों को ढोलक से राहत मिलती थी ? यह राहत कैसी थी ?

(ग) 'दंगल के दृश्य' से लेखक का क्या अभिप्राय है ? यह दृश्य लोगों पर किस तरह का प्रभाव डालता था ?

प्रश्न-12 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) निबंध के दो प्रधान अंग कौन-कौन से हैं ? [1]

(ख) मानचित्र पर एक लकीर खींच देने भर से जमीन और जनता बँट नहीं जाती है। उचित तर्कों एवं उदाहरणों के जरिए पुष्टि करें। [3]

(ग) "रिश्तों में हमारी भावना-शक्ति का बँट जाना विश्वासों के जंगल में सत्य की राह खोजती हमारी बुद्धि की शक्ति को कमजोर करती है।" 'काले मेघा पानी दे' पाठ में जीजी के प्रति लेखक की भावना के संदर्भ में इस कथन के औचित्य की समीक्षा कीजिए। [3]

(घ) डॉ. अम्बेदकर के आदर्श समाज की कल्पना में 'भ्रातृता' के महत्व को स्पष्ट कीजिए। [3]

प्रश्न-13 यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढल सकने में सफल होती है लेकिन यशोधर बाबू असफल रहते हैं। ऐसा क्यों ? कोई चार कारण लिखिए। [4]

अथवा

"यशोधर बाबू के विचार पूरी तरह से पुराने हैं और वे सहानुभूति के पात्र नहीं हैं।" इस कथन के समर्थन में अपने विचार लिखिए।

https://www.cgboardonline.com

प्रश्न-14 (क) स्वयं कविता रच लेने का आत्मविश्वास लेखक के मन में कैसे पैदा हुआ ? 'जूझ' कहानी के आधार पर लिखिए। [4]

अथवा

पुरातत्व के किन चिह्नों के आधार पर आप यह कह सकते हैं कि—''सिन्धु सभ्यता ताकत से शासित होने की अपेक्षा समझ से अनुशासित सभ्यता थी।'' कोई चार कारण लिखिए।

(ख) 'जूझ' कहानी आधुनिक किशोर-किशोरियों को किन जीवन मूल्यों की प्रेरणा दे सकती है ? लिखिए। [4]

अथवा

''टूटे-फूटे खंडहर, सभ्यता और संस्कृति के इतिहास के साथ-साथ धड़कती जिंदगियों के अनछुए समयों का भी दस्तावेज होते हैं।'' इस कथन का भाव स्पष्ट कीजिए।

---

https://www.cgboardonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भैजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

https://www.cgboardonline.com